



१५
१९९२

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 235]

नई दिल्ली, सोमवार, अक्टूबर 21, 1991/अस्विना 29, 1913

No. 235] NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 21, 1991/ASVINA 29, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह भलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(ग्रामान्वयापार नियंत्रण)

मार्वेजनिक सूचना सं. 231 आई टी सी (पी एन)/90-93

तर्फ दिल्ली, 21 अक्टूबर, 1991

विषय :- जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओईसीएफ) द्वारा परिवर्त्तन वंगाल राज्य विद्युत बोर्ड की सीमा नहर जल विद्युत परियोजना (2) के लिए विस्तारित 6.222 विलियन येन के लिए 23-1-91 के येन क्रेडिट अर्हण मं. आई टी पी 72 के अन्तर्गत उपकरण और सेवाओं के आयात के सम्बन्ध में लाइसेंसिंग जारी है।

फाइल मं. आई टी भी /23 (82)/90-93 :- जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओईसीएफ) द्वारा विस्तारित 6.222 विलियन येन के लिए 23-1-91 के येन क्रेडिट अर्हण मं. आई टी पी 72 के अन्तर्गत उपकरण और सेवाओं के आयात पर लाग होने वाली लाइसेंसिंग जारी होने वाला एक मार्वेजनिक सूचना के परिणिष्ट में भी गई है, सूचनार्थ अधिसूचित की जाती है।

श्री. आर. मेहता, मुख्य मियांसक आयात-नियंत्रित

वाणिज्य मंत्रालय की मार्वेजनिक सूचना सं. 231 आई टी सी (पी एन)/90-93, दिनांक 21-10-91 का परिणिष्ट।

जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओईसीएफ) द्वारा परिवर्त्तन वंगाल राज्य विद्युत बोर्ड की तीस्रा नहर जल विद्युत परियोजना (2) के लिए विस्तारित 6.222 विलियन येन के लिए 23-1-1991 के येन क्रेडिट अर्हण मं. आई.टी.पी-72 के अन्तर्गत उपकरण और सेवाओं के आयात के सम्बन्ध में लाइसेंसिंग जारी है।

खण्ड I मामाल्य जारी

1(1) परिवर्तन वंगाल राज्य विद्युत बोर्ड की तीस्रा नहर जल विद्युत परियोजना (2) की आयात आवश्यकता के वित्तदात के लिए जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओईसीएफ) द्वारा प्रदान किये गये 6.222 विलियन येन का अर्हण जापान और विकासशील देशों जिनमें भारत और ओईसीएफ के सभी सरकार देश जामिल हैं, के लिए खुला है। नदनगार इस क्रेडिट के अधीन अधिप्राप्त की जाने वाली वस्तुएं और सेवाएं जापान और अनुबन्ध-1 की सूची में उद्भूत सभी देशों (भारत सहित) से आयात की जा सकती है जो कि इस अर्हण के अन्तर्गत पात्र स्वीकृत देश होंगे।

1(2) क्रेडिट के अधीन केवल उम्हीं मर्वों और उसी मूल्य के लिए लाइसेंस जारी किए जा सकते हैं जिनके लिए महानिदेशाय, नक्काशी विकाग पंजीयत मझल समिति द्वारा विवेष हैं से निकासी कर दी गई है। इस क्रेडिट के अधीन जारी किए गए आयात लाइसेंस का मूल्य 7.550 विलियन यैन (लागत बीमा भाड़ा) से अधिक नहीं होना चाहिए।

आयात लाइसेंस का ग्राहक मूल्य राजस्व विभाग (सीमांशुल) द्वारा प्रधिकूलित वित्तियम दर और आयात लाइसेंस जारी करने की तिथि को प्रत्यक्षित दर और मूल्य नियंत्रक आयात-नियमित द्वारा जारी की गई सार्व-अधिक सूचना में 7.8-कार्ड दी गई (पी.एन.)/7.1, विनांक 6 जून, 1974 के पैरा-2 के अनुमान आयात लाइसेंस में संकेतिक दर पर नियमित किया जाएगा, जिसमें यह उल्लेख हो कि बीमांशुल प्राधिकारी और बिंदी मुद्रा के प्राधिकूल व्यापारी आयात लाइसेंस (मो) में विनिर्दिष्ट मुद्रा वित्तियम दर पर मूल्य को लाइसेंस मूल्य के नामे छोड़ेगा। लाइसेंस पर एक शीर्षक “जापानी येन अण म. आई दी पी-7.2” होगा। प्रधम और द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइसेंस में “प्स/जे मी” कोड होगा। यह प्रत्यक्षित बंगाल राज्य विद्युत बोर्ड को आयात लाइसेंस येन समय मूल्य नियंत्रक, आयात-नियमित के प्रति में भी दृढ़यात्रा जाएगा जिसकी एक प्रति वित्त मंडलायत, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को पृष्ठाकिन भी जानी चाहिए।

1(3) आयात लाइसेंस केवल प्रत्यक्षित बंगाल राज्य विद्युत बोर्ड के पक्ष में जारी किये जा सकते हैं।

1(4) आयातक की मुविधा पर नियंत्रण करने हुए एक में अधिक आयात लाइसेंस इस क्रेडिट के अधीन जारी किए जा सकते हैं। लेकिन, कुल मूल्य 7.550 विलियन (लागत बीमा भाड़ा) येन में अधिक नहीं होना चाहिए, जैसा कि उपर दी (2) में कहा गया है।

1(5) आयात लाइसेंस की विभाग में आयातक द्वारा आवेदन करने पर 12 महीनों की और आगे की अवधि के लिए बुद्धि दी जा सकती है। आगे और बुद्धि करने के लिए नया/आयात लाइसेंस जारी करने के लिए यदि कोई आवेदन जो तो उसे आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेजा जाना चाहिए।

1(6) क्रेडिट के अधीन विलियन किए जाने वाले आयात लाइसेंसिंग प्राधिकारियों द्वारा विधिक सम्बन्धित आयात लाइसेंस में सम्बद्ध माल और सेवाओं की भूमी तक प्रतिविधि है।

1(7) विदेशी मुद्रा के किसी भी परेण्य की अनुमति आयात लाइसेंस के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय अधिकर्ता के कमीशन के प्रति कोई भी भूगतान भारतीय अधिकर्ता को आगतीय रूपों में किया जाना चाहिए। लेकिन ऐसे भूगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होंगे और हमलिया लाइसेंस पर कोई प्रभारित किए जाएंगे।

1(8) पक्के आदेश अनुबन्ध-1 में उल्लिखित टेक्सों में म्यून विदेशी संभरकों को जाहज पर्याप्त लागत-बीमा भाड़ा/लागत और भाड़ा मूल्य के आधार पर दिए जाने चाहिए और वे आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से 4 महीनों की अवधि के भीतर आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेज दिए जाने चाहिए। बीमा प्रभार का भूगतान भारत में भारतीय रूपों में देय होगा। “पक्के आदेशों” का अर्थ भारतीय लाइसेंस द्वारा दिए गए उन अवधियों से है जो विदेशी संभरक द्वारा विधिवत् हस्तांशित होते हैं तो भारतीय आयातक और विदेशी संभरक द्वारा विधिवत् हस्तांशित वय संविदा हो। विदेशी संभरकों द्वारा भारतीय अधिकर्ताओं को दिए गए आदेशों और या ऐसे भारतीय अधिकर्ताओं द्वारा पुष्टिकरण आदेश स्वीकार्य नहीं है।

1(9) चार महीनों की अवधि के भीतर टेक्सों की इस गति का तक प्रत्यक्षित किया गया नहीं ममका जाएगा जब तक कि टेक्सों के पूर्ण वस्ताविक आयात लाइसेंस जारी होते की तिथि में चार महीने के भीतर वित्त मंडलाय आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को नहीं पहुंच जाते हैं।

यदि उपर्युक्त पैरा 1(8) में यथा-उल्लिखित पक्के आदेश वाले महीने के भीतर विदेशी कारणों से नहीं दिए जा सकते हैं तो चार महीनों के भीतर आदेश क्यों नहीं दिए जा सकते हैं तो कारणों का उल्लेख करते हुए लाइसेंस धारी को आयात लाइसेंस को संबद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत कर देना चाहिए। आदेश देने की प्रवधि में बुद्धि के लिए ऐसे आवेदनों पर लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा पात्रता के आधार पर विचार किया जाएगा।

वे प्रधिकूलित वित्तियम दर और आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि में 8 महीनों से अधिक के लिए बांगो जाती है तो ऐसे प्रस्ताव विरापद रूप से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा वित्त मंडलाय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग), नार्थ ब्लाक, नई बिल्डी को भेजे जाएंगे जो कि ऐसी वृद्धि के लिए प्रत्येक मासदे को पात्रता के आधार पर किसार करेंगे और अपना नियंत्रण लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजेंगे, जिसको वे लाइसेंसदारी का प्रेरित करेंगे। लाइसेंसदारी द्वारा लाइसेंस प्राधिकारियों में केवल ऐसी वृद्धि प्राप्त करने वाला एक पक्ष प्रस्तुत करते पर शी आधिकूल व्यापारी और विभागीय प्राधिकारी आयात लाइसेंस के अधीन किए गए गम्भीर टेक्सों को पूर्ण करने के संबद्ध में साक्षात् स्थापित करने के लिए प्राधिकार पक्ष की मुविधा और तुल्य रूप्या जमा करने आदि की स्थीकृत आदि रूप अनुमति देंगे।

1(10) आयात लाइसेंस की समाप्ति के बारे महीने के भीतर भूगतान पूर्ण कर देने चाहिए। मात्र के पोतलदान पर ग्रलग-ग्रलग भूगतानों का अवस्था होनी चाहिए। टेक्सों में कक्षर आधार पर अर्थात् पोतलदान दस्तावेज प्रस्तुत करने पर भूगतान की अवस्था होनी चाहिए। विदेशी संभरक से भारतीय आयातक भांति किसी भी किसी भी अण सुविधा उपलब्ध करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। मात्र के विवरण की प्रवधि के लिए उक्त में निम्नलिखित अवस्था होनी चाहिए :—

“भूगतान की प्राप्ति के बाद—————महीने परन्तु अधिक से प्रधिकूलित वित्तियम दर देने के बाद—————के ग्रल तक पूर्ण किया जाना है।”

पोतलदान के लिए आविर्गी नियित करने में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह तिथि 30-6-1995 के बाबत की न हो।

खण्ड-2 संभरण टेक्सों का समझौता करने समय ध्यान में रखी जाने वाली विषेष बातें ।

2(1) उक्त का जाग्रत पर्याप्त निःशुल्क/लागत बीमा भाड़ा मूल्य येन में (येन का भिन्न हुटा दिया जाए) अभिव्यक्त होना चाहिए और भारतीय अभिव्यक्ता का कमीशन, यदि काई हो, तो वह यामिल नहीं होना चाहिए जो कि भारतीय रूपों में चकाना चाहिए।

किसी भी पर्याप्ति में संविदा मूल्य भारतीय रूपों में अवधा किसी अण मुद्रा में अभिव्यक्त नहीं होना चाहिए। क्रम आदेश और संभरक का पुष्टिकरण आदेश केवल अंग्रेजी में होना चाहिए।

2(2) क्रम की रकम में वित्त पोवित्र किए जाने वाले मर्मी भास और सेवाओं की अधिकारियों अण के अन्तर्गत आधिकारियों के लिए मार्मी दृश्य विदेशी संभरकों के अनुभाग निम्नलिखित मम्मूरक गती के साथ की जाएगी :—

(क) कम से कम 500 मिलियन येन के अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं की अधिकारियों के मासदे में

(1) यदि पूर्व अक्षर सहित खुनी अन्तर्गतीय निविदा में भिन्न अधिकारियों विवारिति अपनाने का प्रस्ताव हो तो अधिकारियों की पद्धति के अनुमानदाता के लिए आई. मी.एफ. को आवेदन पक्ष प्रस्तुत करके उससे पूर्व अनुभव देवत किया जाएगा।

(2) सफल बोनीकार को निर्णय का सोटिस भारी करने में पहले बांली मूल्यांकन रिपोर्ट सहित निर्णय के अनुमोदन के लिए आवेदन पत्र ओ.ई.सी.एफ. को सदर्मत और पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत किया जाएगा । निर्णय और बांली मूल्यांकन के अनुमोदन के लिए उपर्युक्त आवेदन-पत्र के साथ साथ दस्तावेज आदि ओ.ई.सी.एफ. को भी उनकी पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे ।

(ब) 500) मिलियन रुपये में कम अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में टेके के निर्णय के लिए ओ.ई.सी.एफ. के पूर्ण अनुमोदन की आवश्यकता नहीं है । लेकिन यदि ओ.ई.सी.एफ. अनुरोध करे तो निविदा मूल्यांकन रिपोर्ट आदि उसको पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत की जाएगी ।

(ग) अग्र वरामर्शदाता फर्मों का नियोजन किया जाए तो ऐसी फर्मों को निम्नलिखित सभी शर्तें पूरी करनी होंगी :-

- (1) यिए गए अधिकाश मेवरों के धारक पात्र स्वीकृत देशों के नागरिक होने चाहिए ।
- (2) अधिकाश पूर्णकालिक निश्चेतन पात्र स्वीकृत देशों के नागरिक होने चाहिए ।
- (3) ऐसी फर्मों पात्र स्वीकृत देशों में नियमित नशा पंजीकृत शर्तों वाहिए ।

(घ) परामर्शदाताओं के नियोजन के लिए निम्नलिखित दस्तावेजों के संबंध में यों ओ.ई.सी.एफ. का पूर्ण अनुमोदन प्राप्त किया जाएगा ।

- (1) शर्तें
- (2) परामर्शदाताओं की मंजिल सूची
- (3) निमंत्रण पत्र
- (4) मंजिल मूल्यांकन रिपोर्ट मंजिल मूल्यांकन रिपोर्ट ।

(ङ) प्रत्येक टेके के माल परामर्शदाता की पात्रता के संबंध में परामर्शदाता के हस्ताक्षर तथा नारीक नियमित निम्नलिखित घोषणा संलग्न की जाएगी ।

“मैं अधीक्षित अधिकारी, एन्ड्रियारा यदि प्रमाणित करता हूं कि—
(पर्म का नाम) (संबंधित पात्र स्वीकृत देश का नाम) में नियमित और पंजीकृत है, और एफ पात्र परामर्शदाती कर्म है जिसके —————— प्रतिशत (%) समर्थन येथरों के लालक —————— (संबंधित पात्र स्वीकृत देशों का नाम) के गण्डिक है और —————— प्रतिशत (%) पूर्ण कालिक नियोजक —————— (संबंधित पात्र स्वीकृत देशों के नाम) के गण्डिक हैं ।

(च) आयातक उपर्युक्त क (1), क (2) व और अ में उल्लिखित आवेदन-पत्र/दस्तावेज आर्थिक कार्य विभाग को दो प्रतिवेदी में प्रस्तुत करेंगा जो उसके द्वारा ओ.ई.सी.एफ. को भेजे जाएंगे ।

2(3) विदेशी संभरक को भूमतान, उनके नाम में वैक ओफ इंडिया देकियों द्वारा 1990-91 के लिए ओ.ई.सी.एफ.यैन ऐडिट (परियोजना) महायना (सहयोग आई डी पी-72) के अधीन ज्ञाते गए अपरिवर्तनीय साखपत्र के माध्यम से किया जाना चाहिए जिसका ध्योग नीचे छप्ट-7 में दिया गया है ।

2(4) आयात वाइसेंस के प्रति केवल एक ही संविदा की जानी चाहिए लेकिन बृह विषेष सामग्रों में एक से अधिक संविदा करने की अनुमति भी दी जा सकती है, जिसके लिए आयात वाइसेंस जारी होने की नियम से तुरन्त बाद विल संदालय आर्थिक कार्य विभाग (आयात अनुसार) से अनुमोदन प्राप्त कर लेना चाहिए ।

2(5) संभरक की पात्रता

संभरक पात्र स्वीत देशों के गण्डिक या पात्र स्वीत देशों में शामिल किए गए तथा पंजीकृत किए गए वैक व्यक्ति होंगे जिसके पात्र स्वीत स्वीत देशों में माल तथा सेवा के उत्पादन या उन्हें प्रदान करने की उपयुक्त मुक्तिधा हो और जो जहां वास्तव में अपना कार्य व्यापार चलाते हों ।

2(6) आपात्र स्वीत देशों से अनुमेय आयात

जिन अस्तुओं में अपात्र स्वीत देशों में भी ही द्वारा सामग्री निहित है उसके लिए विल दान किया जा सकता है वर्तमें कि निम्नलिखित सूच के अनुसार ऐसे उत्पाद की प्रति मूल्य भद्रवार आधार पर आयात भाग के 50 % से कम हो :-

आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य + आयात शुल्क $\times 100$

संभरक का जहाज पर्याप्त निःशुल्क मूल्य

(भारतीय संभरकों के संबंध में ऐसा फैक्टरी मूल्य प्रपनाया जाएगा)

2(7) संविदा में घोषणा

प्रत्येक संविदा में संभरक द्वारा माल एवं संभरक की पात्रता, संभरक के हस्ताक्षर और लारीबू में निम्नलिखित घोषणा जोड़ी जाएगी :-

“मैं अधीक्षित अधिकारी एन्ड्रियारा प्रमाणित करता हूं कि संभरित किया जाने वाला माल —————— (संबंधित पात्र स्वीत देश का नाम) में उत्पादित है ।”

मैं अधीक्षित अधिकारी आगे यह प्रमाणित करता हूं कि मेरी पूरी जासकारी और विश्वास के अनुसार अपात्र देशों में आयातित भाग निम्नलिखित सूच के अनुसार 50% से कम है :-

आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य + आयात शुल्क $\times 100$

संभरक का जहाज पर्याप्त निःशुल्क मूल्य

(जहां ऐसा फैक्टरी मूल्य लागू हो)

“मैं अधीक्षित अधिकारी, एन्ड्रियारा, प्रमाणित करता हूं कि (क्यामी का नाम) —————— पात्र स्वीकृत देश का नाम में समाविष्ट और पंजीकृत है और उसके माल (पात्र स्वीकृत देशों का नाम) में माल तथा सेवा के उत्पादन या उन्हें प्रदान करने की उपयुक्त मुक्तिधा है और वह वहां वास्तव में अपना कार्य व्यापार चलाती है ।”

अप्प 3 संभरक टेकों में गमाविष्ट की जाने वाली शर्तें ।

3(1) संभरण टेकों में निम्नलिखित प्राविद्यान विषेष रूप से समाविष्ट होने चाहिए ।

(क) टेकों की व्यवस्था भारत सरकार और जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.) के बीच पश्चिम बंगाल गज्ज विद्युत बोर्ड की जीस्ना नहर जल विद्युत परियोजना (2) के लिए येन फ्रैंडिट सं.आई.सी.पी.-72 से संबंधित विनाक 23 जनवरी, 1991 के अृण समझौते के अनुसार वी जाएगी ।

(ख) संभरकों को भूमतान, भारत सरकार और जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.) के बीच येन फ्रैंडिट म. आई.सी.पी.-72 से संबंधित 23-1-91 को हूए अृण समझौते के अन्वान बैक ओफ इंडिया, टोकियो द्वारा आरी किए जाने वाले अपरिवर्तनीय साखपत्र के माध्यम से किए जाएंगे ।

(ग) संभरक ऐसी सूचना दस्तावेजों को प्रमुख करने के लिए यहां दो एक और भारत सरकार द्वारा और दूसरी ओ.ई.सी.एफ. द्वारा येन अृण व्यवस्थाओं के अधीन प्रयोगित हो ।

(घ) 2(7) में उल्लिखित प्रपत्र में प्रमाणपत्र (तीन प्रतियों में)

(क) यदि संभरक जापान में स्थित हो तो संभरक संविदा के संबंध में एक धारा होनी चाहिए कि जापानी संभरक भारतीय दूतावास, टोकियो के परामर्श पर पोत परिवहन व्यवस्था करने के लिए सहमत है और इन उद्देश्य के लिए यह भारतीय दूतावास, टोकियो को शामिल मान को सुपुर्दी के कार्यक्रम से अवगत कराएगा और पोतलदान से कम से कम 6 सप्ताह पूर्व भारतीय दूतावास को सूचना देगा जिससे कि उचित व्यवस्था हो सके। विशेष मामलों में, जहाँ भारतीय आयातक इच्छुक हो, सूचना की इस भवित्व की कम किया जा सकता है। जापानी संभरक को भी प्रत्येक पोतलदान के पश्चात् आवश्यक घोरे देते हुए तार से सूचना भेजने के लिए सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो को भेजी जानी चाहिए।

खण्ड 4 थो.ई.सी.एफ. द्वारा ठेके की पुनरीक्षा

4(1) लाइसेंसधारी को पक्के आदेश देने के लिए निर्धारित अवधि के मात्रात आयातक और विवेशी संभरकों द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित ठेके की चार प्रतियों जो संभरक द्वारा लिखित में पुष्टि आदेश के साथ हों या उनकी हर प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियाँ संगत और वैध आयात लाइसेंस की दो फोटो प्रतियों सहित और अनुबन्ध-2 के प्रपत्र में “प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन” की दो प्रतियाँ आर्थिक कार्य विभाग को भेजनी चाहिए।

4(2) उपर्युक्त क्रियाविधि ठेकों की विषयवस्तु या उनकी कीमतों में होने वाले ऐसे सभी संविदा संशोधनों पर भी लागू होंगे जिनके कारण अनिवार्य रूप से सांशोधन करने पड़े।

4(3) विस्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) ठेके की एक प्रति के साथ ठेके के निर्णय का नोटिस समीक्षा के लिए थो.ई.सी.एफ. को भेजेगा। आयात लाइसेंस की फोटो कापी और “प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन” की एक-एक प्रति सहित ठेके के निर्णय के नोटिस और ठेके की एक-एक प्रति आर्थिक कार्य विभाग भारतीय दूतावास, टोकियो और सी.ए.ए.एफ. के कार्यालय को भेजेगा।

खण्ड 5 विवेशी संभरकों को भुगतान साखपत्र क्रिया विधि

5(1) विस्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग के ठेके के निर्णय का मोटिस और ठेके के दस्तावेज प्राप्त होने पर सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक, बैक भ्राफ इंडिया के टोकियो शाखा को सम्बोधित संतर्ग अनुबन्ध-3 में दिए गए प्रपत्र में एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा जिसमें बैक भ्राफ इंडिया की टोकियो शाखा संबंध विवेशी संभरक के नाम में संतर्ग अनुबन्ध-4 (आयातों के लिए) के प्रपत्र में या अनुबन्ध-5 (सेवाओं के लिए) के प्रपत्र में एक प्रापरिवर्तीय साखपत्र खोलेगी। प्राधिकार पत्र की प्रतियाँ थो.ई.सी.एफ. भारतीय दूतावास, टोकियो भारत में आयातक के बैक, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) विस्त मंत्रालय को पृष्ठाकृत की जाएंगी।

5(2) प्राधिकार पत्र मिलने पर भारतीय बैक, टोकियो अनुबन्ध-4 (आयातकों के लिए लागू होता है) या अनुबन्ध-5 (सेवाओं के लिए लागू होता है) के अनुसार संबंधित विवेशी संभरकों के नाम में अपरिवर्तीय साखपत्र की स्थापना करेगा और उसकी एक प्रति विवेशी आर्थिक सहयोग निधि (थो.ई.सी.एफ.) भारतीय दूतावास, टोकियो, भारत में आयातक के बैक और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को भी भेजेगा।

सी.ए.ए.एफ.ए. से प्राधिकार पत्रों के आधार पर साखपत्र खोलने के लिए उपर्युक्त क्रियाविधि संविदा संशोधन या प्रन्याया के लिए आवश्यक समझे जाने वाले ऐसे सभी प्राधिकार पत्र/साखपत्रों के संशोधन पर स्वतः लागू होंगी।

5(3) माल का पोतलदान करने के बाद विवेशी संभरक प्रवन्दे बैकों के माध्यम से साखपत्र उल्लिखित दस्तावेज बैक और इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा जो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि को विवेशी संभरक को उसके बैकों के माध्यम से रहित करेगा और उसके बाद उसके धनराशि की प्रतिपूर्ति विवेशी आर्थिक सहयोग निधि से प्राप्त करेगा।

5(4) साखपत्र खोलने, उसके अधीन लेनदेन करने के लिए बैक और इंडिया, टोकियो को देव बैकिंग प्रभार और विवेशी संभरकों के बैकिंग प्रभार, यदि कोई हो, सो वे आयातक/विवेशी संभरकों द्वारा वहन किए जाएंगे। थो.ई.सी.एफ. ठेक के मूल्य के 1/10 प्रतिशत (0.1 प्रतिशत) मूल्य के वरावर धनराशि प्राप्त करने पर वचनबद्धता पत्र जारी करेगा। यह धनराशि थो.ई.सी.एफ. द्वारा स्वयं अहण/निषियों में से चुकाई जाएगी।

ओ.ई.सी.एफ. या सहायता लेखा नियंत्रक, विस्त मंत्रालय ने भुगतान की सूचना प्राप्त होने पर आयातक को वचनबद्धता पत्र के बैचों के तुल्य धनराशि सरकारी लेखों में जमा करनी होगी। ओ.ई.सी.एफ. को भुगतान की निधि से प्रथमा जमा करने की नियि तक (वानों निधि/वाना मामिल करने) आज भी प्रबलिन दर पर आयातक द्वारा चुकाया जाएगा।

आयातक द्वारा प्रतिपूर्ति कियावधि के तहत भी 0.1 प्रतिशत का इसी प्रकार का अच्छा चुकाया जाना है। आयातकों द्वारा आयातों के नामन के भुगतान की निधि से ओ.ई.सी.एफ. द्वारा विवेशी संभरक को आयातीय की निधि तक की अवधि के लिए जाना करके बैक भ्राफ इंडिया, टोकियो को देव व्याज प्रभार का भारत सरकार के लेखों की प्रमात्रिन किए गिना मामान्य बैक प्राप्तियों के माध्यम से भारत में संबंध आयातकों के बैक द्वारा बैक और इंडिया, टोकियो को धन परेषण करके भुगतान किया जाएगा।

5(5) प्रतिपूर्ति क्रियाविधि

भारतीय संभरकों से माल और सेवाओं की स्वीकृत के लिए अहण की रकम के संवितरण के लिए क्रियाविधि अहण समझोते में संबद्ध प्रतिपूर्ति क्रियाविधि के अनुसार होगी।

खण्ड 6 रूपया निषेप करने के लिए उत्तरवाचित्य

6(1) बैक भ्राफ इंडिया, टोकियो संगत प्राधिकार पत्र के परिपिण्ड में संकेतिक अनुमार आयातक के प्राधिकृत बैकर को पराक्रम्य पोत-परिवहन दस्तावेज रिलाय झेने से पहले, भारतीय रिजर्व बैक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैक, तीस हजारी विल्सनी में रूपया निषेप कर, दिया गया है। विवेशी राभरक को किए गए ये ये जमा भुगतान के सम्पूर्ण रूपये पर व्याज प्रभार प्रथम 30 दिन के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष है और प्रधिक अवधि के लिए 18 प्रतिशत प्रति वर्ष है, पर विवेशी संभरक को बैक भ्राफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की निधि से वास्तविक रूप से रूपया जमा करने की निधि तक का हिसाब लगाकर व्याज सार्वजनिक सूचना 31-आर्इ टी गी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-1983 के अनुसार मूल भुगतान के साथ-साथ व्याज प्रभार भी सरकारी लेखों में जमा कराना है। यह भी नीत किया जाना चाहिए कि व्याज दोनों दिनों के लिए अर्धात् विस दिन विवेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और जिस विन मरकारी लेखों में रूपया जमा किया जाता है वे ये हैं। लेखों सार्वजनिक सूचना सं. 103-आर्इ टी सी (पी एन)/76 दिनांक 12-10-76 और सार्वजनिक सूचना सं. 31-आर्इ टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-1983 द्वारा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं. 74-आर्इ टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74।

संभरक को किए जाने वाले भुगतानों की राशि और तारीख का सुलिखित करने के लिए आयातक को अलग से अवस्था करनी चाहिए। बैक भ्राफ इंडिया, टोकियो से आयातक के बैक द्वारा पोत-परिवहन प्राप्त दस्तावेजों की देवी या विल्सन से प्राप्ति को रूपया निषेप पर लगाने वाले व्याज की आर्थिक या पूर्ण धनराशि को समाप्त करने का कारण नहीं माना जाएगा।

विदेशी संभरक को किए गए येन भुगतान के समतुल्य रूपये की गणना के लिए अपनायी जाने वाली विनियम की दर भुगतान की तारीख को लागू विनियम की वह मिश्रित दर होगी जो सार्वजनिक सूचना सं. 113-प्राई.टी.भी.पी.एन/88-91, दिनांक 6-4-89 में निर्धारित तरीके के प्रतुसार नियन्त्रित की गई हो अथवा जो मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनियम नियंत्रण परियोगों के माध्यम से भरकर द्वारा समय-समय पर घोषित की गई हो ।

इस संबंध में और आज को दूर के संबंध में जब भी कोई परिवर्तन भावधारक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा । यह सुनिश्चित करना भारतीय रिजर्व बैंक की जिम्मेदारी होगी कि देश धनराशि आयातकों को आयात वस्तावेज सीपने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी है । आयातक को भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि देश धनराशि अपने बैंकरों से वस्तावेज लेने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है । देश धनराशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है । यह सुनिश्चित करने के लिए आयातक की तब भी जिम्मेदारी होगी जब वे विशेष परिस्थितियों के अन्तर्गत सीमान्तरुक प्राधिकारियों से माल की मुपुर्दी प्राप्त करते हैं । यदि आयातक सरकार को देश धनराशि को माल वी सुरुर्की लेने से पहले जमा नहीं कर पाता तो आगे के लिए उसे प्रांतिकर पद देना बहुत कर दिया जाए और मामले की रिपोर्ट मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात की दी जाए ताकि ऐसे आयातक को आगे और आयात साइंसेज जारी न किए जाएं । जिस लेखा भीव में उपर्युक्त रूपये निशेप किया जाएगा वह “के डिपार्टमेंट एंड एडवान्सिंज 8443 सिविल डिपार्टमेंट—डिपार्टमेंट फार परवेजिय एंटर सेस्ट्रा अबरोड परवेज अपार्टमेंट्स/लोन एप्रिमेंट्स” लोन कोम दि गवर्नरमेंट आफ जापान 6. 222 बिलियन येन के डिप्टि सं. आई.डी.पी.-72 फार वी तीस्ता फैनाल हाईड्रोशेल्फिक प्रोजेक्ट (2) होना चाहिए ।

6(2) अपर उल्लिखित धनराशि या भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, तीस हजारी, दिल्ली में चालान के ऊपर दाहिनी ओर कोने में कोड सं. 5130000009 का संकेत देने हुए सरकार के खाते में इस संबंध में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचनाओं में यथा-निर्धारित तरीके से जमा होना चाहिए ।

6(3) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, प्रार्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसी मांग किए जाने के बाद मात्र दिनों के भीतर, भारत में आयातक का संबंध बैंक भी उपर निर्धारित तरीके से वह अतिरिक्त धनराशि सेवा व्यक्तों के निमित्त भेजेगा जो वित्त मंत्रालय (प्रार्थिक कार्य विभाग) द्वारा मांगी जाए चालान के भिन्न कालयों को भरते समय आयातकों को इस बात की सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 132-आई.टी.सी. (पी.एन)/71, दिनांक 5-10-1971 के विरा 2 में निर्धारित सूचना चालान के कालय “शन परेशन और प्राधिकारी (यदि कोई हों) के पूर्ण व्यावेर निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए ।

(क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकार पद की संख्या और विवाक

(ख) येन मुद्रा की बहु धनराशि जिसके संबंध में अपनाई गई गई परिवर्तन की दर के साथ निशेप किए जाते हैं ।

(ग) विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि ।

उसके पक्षकाल सी.ए.ए. एंड ए. द्वारा जारी किए गए प्राधिकार पद का सम्बद्ध देते हुए और भीजक तथा पोत परिवहन वस्तावेजों को संलग्न करते हुए बजाना चालान रूपये जमा करने का साध्य देते हुए वर्जीकृत डाक द्वारा सी.ए.ए. एंड ए. को भेजा जाना चाहिए ।

टिप्पणी : भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि रूपये का निशेप भारतीय बैंक टोकियो से प्रावायी की सूचना और पराश्राम्य पोतलाचान दस्तावेज की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपवाद रूप से किया गया है और यह कि

उसके तत्काल बाद सी.ए.ए. एंड ए. वित्त मंत्रालय (प्रार्थिक कार्य विभाग) नई दिल्ली को तथ्य से सूचित कर दिया गया है ।

6(4) भारत में सम्बद्ध भारतीय बैंक को लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति पर अपने नियंत्रण की धनराशि का पृष्ठांकन करना चाहिए और अपेक्षित “एस” प्रत्यव भारतीय रिजर्व बैंक बम्बई यों भेजना चाहिए ।

खण्ड-7 विविध व्यवस्थाएँ

7(1) आयात लाइसेंस के उपयोग करने को रिपोर्ट

आयातक को पोतलाचान और उसके प्रधीन किए उए भुगतान और व्येष धनराशि के बारे में साखपत्र खोलने के बाद एक मासिक रिपोर्ट सहायता नेवा एवं लेक्षा परीक्षा नियंत्रक, प्रार्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रा लय द्वी विग, 5 वा तल, जनपथ भवन, नई दिल्ली को भेजनो चाहिए ।

7(2) संभरकों को विशेष शर्तों के बारे में सूचित करना ।

लाइसेंसधारी के आयात लाइसेंस में विए गए किसी उन विशेष उपबन्धों से संभरक को अवगत करा देना चाहिए जो माल के लाने में संभरक पर प्रभाव डालते हों ।

7(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि लाइसेंसधारी और संभरकों के बीच यदि कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उल्लंघनित्व नहीं लेगी । भारतीय बैंक, संक्रियो द्वारा किए गए भुगतान के पहले संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तें अनुबन्ध-2 में “भुगतान की शर्तों” के अन्तर्गत अच्छी तरह से स्पष्ट कर लेनी चाहिए । संविदा को शर्तों में विवाद को निपटाने से संबंधित शर्तें शामिल होनी चाहिए ।

7(4) भावी अद्वेष

आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ खड़े होने वाले किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित या जापानी प्राधिकारियों के साथ येन कोइट मममीता (परियोजना सहायता) सं. आई.टी.पी.-72 के प्रधीन सभी आधारों के विवेशी प्रार्थिक सहयोग निधि, जापान (ओ.ई.सी.एफ.) के साथ पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर किए गए नियंत्रणों या प्रावेशों का लाइसेंसधारी को तुरन्त पालन करना होगा ।

7(5) अतिक्रमण या उल्लंघन

उपर्युक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-निर्यात (नियंत्रण) प्रधिनियम के प्रधीन उचित कार्यवाही की जाएगी ।

7(6) अनुबन्धों की सूची

1. अनुबन्ध-1
2. अनुबन्ध-2
3. अनुबन्ध-3
4. अनुबन्ध-4
5. अनुबन्ध-5

पात्र स्रोत देशों की सूची ।
प्राधिकार पद जारी करने के लिए अनुरोध ।
प्राधिकार पद का प्रपत्र ।
साखपत्र का प्रपत्र (मायारों के लिए लाय) ।
साखपत्र का प्रपत्र (सेवाओं के लिए लाय) ।

उपाधिक्रम- 1

पांच ज्ञान देशों की सूची
के विकासशील देश और श्रेष्ठ
(क-1) विवेश आर्थिक सहयोग से किन्तु विकासशील देश
1. अमेरिका उत्तरी सहारा
मिश्र
मोरक्को
तुम्हीनिया
2. अफ्रीका दक्षिणी सहारा
अगोला
बेनीन
बोत्स्वाना
बर्किन्हो
केमरोन
केप ब्रैड वीप
मध्य अफ्रीका गणतंत्र
चाड
कोमोरो आहर्सिंड
कांगो, वाहाने का गणतंत्र
इक्वेटोरियल गिनी (1)
इथोपिया
जाम्बिया
घाना
गिनी
याहवरी कोस्ट
केन्या
लेसोथो
लाइबेरिया
मालागादी गणतंत्र
माली
माली
मारिटिनिया, मारिक्याम
मोजाम्बिक
सेंट हेलेना और बेप (2)
साओ टोमों और प्रिंसिपल
सेनेगल
सेचिनीज
सीयरे लिंगोन
सोमालिया
सूडान
स्वाजीलैण्ड
टेरो, अपर्स और इसस
टोगो
यूगान्डा
संजानिया गणतंत्र सथ
अपर बोल्टा
जाइरे गणतंत्र
जाम्बिया
अमेरिका, उत्तरी और केन्द्रीय
बहामा

(1) कर्णांडो पी-ब्रैड वीप, सहित मेन गिनी का प्रवेश ।

(2) निम्नलिखित द्विपों सहित :- एकेनियन द्विस्टेन डा इन-एक्सेसिव्स, नाइटिनेनेस, गफा ।

(3) मूल्य द्वीप समूह, प्रश्वा बोनाइरे, क्यूराकाओ, साहा सेट ।

बरमुदा
वारवेंडोम
बोली
कोस रीकर
क्यूबा
डामिक्स गणतंत्र
एल मवाडोर
गृहालोप
ज्वाटेमाला
हेटी ।
होंडरस
जमैका
मारेटिनिया
नाईजीर
पुर्तगाल गिनी
टियुनियन
रोडेपिया
रबार्डा
मैक्सिको
नीदरलैण्ड एक्टर्लाइज
निकांरागुआ
पनामा
सेट पियरी और मिक्यूलोन
ट्रिनिडाड और टोबागो

3. अमेरिका उत्तरी ओर मध्य
सेट इन्डोनेशिया (गान्धा) एम. अर्थात् :-

(क) सह-सम्बन्ध गान्धा (1)

(ख) आधिक (2)

4. दक्षिणी अमेरिका
अर्जेन्टीना
बोलियाविया
ब्राजील
चिली
फोलम्बिया
फाफलैण्ड द्वीप समूह
फ्रांस गिनी
गुयाना
पराग्वे
पीरु
मूरिनाम

5. मध्य पूर्वी एशिया

बहरीन
इज्तराइल
जोड़न
लेबनान

(1) मुख्य द्वीप एण्टिक, इमिनिका, ब्रेनेडा, जेट किट्स (सेटाक्स्टोफो, नोविस-आगुइला), सेट लुमिया और सेट विसेट

(2) मेन आईलैण्ड भोम्बेमरन, मेमान सुरुः और काइकोल और ग्रिटिंग
द्वीप समूह

श्रीमत
निशाई अरब गणतंत्र
ग्रन्ताइट अरब
भ्रमिगान (3)
यमन अरब गणतंत्र
यमन जनशासी गणतंत्र (4)

6. दक्षिण एशिया

प्रफालनिस्तान

वंशवा देश

भूटान

बर्मा

भारत

मालद्वीप

नेपाल

पाकिस्तान

श्री लंका

7. मुद्रुर पूर्वी एशिया

बर्ननी

हांग-कांग

ब्रापेर गणतंत्र

लाओस

मकाओ

मलेशिया

मनेशिया

फिलीपाइन

मिगान्युर

नाइयान

थाइलैण्ड

निमोर

वियन्नाम गणतंत्र

वियन्नाम जनशासी गणतंत्र

8. आंमिनिया

कुक ड्रीप समूह

किंजी

गिल्कट और इलाहास द्वीप

फ्रांसिस पोलिनेशिया (5)

नार

न्यु केलेन्होनिया

न्यू फ्रिंगियम (न. आर प्र.)

नियु

वैमानिक द्वीप समूह (संयुक्त राज्य) (6)

पायूवा न्यू गिनी

सोलोमन ड्रीप समूह (ना.)

टांगा

वासिस और कलुना

परिचमी मामोआ

(3) अर्जमन, दुबई, कुजीराह, राम शत्रुघ्नेनाह, शाहजाह और अमरन

कवाईदान ।

(4) अदन और विभिन्न सल्लत और अमोरात महिल ।

(5) सोलाई आई लैण्डस समूह (शाहिसी सहित) को शामिल

करते हुए आस्ट्रल द्वीप समूह, ड्रमोट-गॉलियर युर और

मारक्यूस द्वीप समूह

(6) वैगिक द्वीप का द्रुस्ट प्रदेश, कारोलिन द्वीप मार्गेस द्वीप समूह

और मैरिया द्वीप समूह (गामा को छोड़कर)

9. यूरोप

साइपर

सियाल्टर

ग्रीस

माल्टा

स्पेन

तूर्की

मुगोस्लाविया

(क-2) ओ.पी.ई.सी. के महोगी देश

मल्जारिया

बोलिविया

लोबियाई अरब गणतंत्र

गवीन

नाइजीरिया

इक्वेडोर

बेन्जुएला

ईगान

इराक

कुवैत

फलार

माउदी अरब

आबू-द्वारी

इन्डोनेशिया

(क) ओ.ई.सी.डी. देश

प्रास्टेलिया

बल्जियम

फलांडा

डेनमार्क

फ़ान्दैनग़र

फ़ारू

फ़ैररल रिपब्लिक आफ जर्मनी

प्रीस

आइस लैण्ड

आयर लैण्ड

इटली

जापानी

लब्जमबर्ग

मीश्रलैण्ड

म्यूजीलैण्ड

नार्वे

पुल्गाय

स्वेत

स्वीडन

स्विटजरलैण्ड

टर्की

इंगलैण्ड

संयुक्त राज्य अमेरिका

उपाध्यक्ष-2¹

प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए

भावेन्द्र पत्र

संस्था

दिनांक

सेवा में

महायक लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय, भार्यिंक कार्य विभाग,
प.ओ. बैंक विलिंग, प्रधान मंत्रिया
परिवारमेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001

विषय:—ये न क्रेडिट मं. आई.डी.पी. (198 के लिए परियोजना सहायता) के अंतर्गत ————— को ————— का प्रायान।

महोदय,

उपर उल्लिखित ये न क्रेडिट मं. आई.डी.पी. (परियोजना सहायता) के अधीन ————— प्रायान के संबंध में ————— (बैंक का नाम) —————

यही होना चाहिए, जो नीचे (इ) में सम्बद्ध विवेशों संभरक के नाम साक्षपत्र खोलने के लिए दिया गया है, पत्र में प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए हम आपको निम्नलिखित ब्योरे प्रस्तुत करते हैं।

- (क) भारतीय आयातक का नाम और पता।
- (ख) प्रायान लाइसेंस की संख्या, दिनांक और मूल्य और वह नारीख जिस तक वैध है।
- (ग) अधिप्राप्ति के तरीके ————— पथा वह भीधे क्रय पर आधारित है या औपचारिक मूली अस्तराईटीय निविदा पर आधारित है या इस मामले में कारणों सहित यह निविद अनन्त अनुसार आधारित है कि क्या संविदा का निर्णय उपर्युक्त नकारात्मक प्रभाव के आधार पर किया गया है।
- (घ) माल का संक्षिप्त विवरण।
- (ङ) माल का उद्गम देण।
- (च) आपके स्वीकृत देशों में प्रायान संघटकों की प्रतिशतता यदि कोई हो।
- (छ) संविदा का कुल जहाज प्रयंत निःशुल्क/सागत और भाड़ा मूल्य (ये न में) में।
- (ज) यदि कोई हो, तो भारतीय एजेंट के भी कर्माशान की घनता यदि (ये न में)।
- (झ) वास्तविक जहाज पर्यन्त निःशुल्क/सागत और भाड़ा मूल्य (ये न में) जिसके लिए प्राधिकार पत्र मांगा गया है।
- (ञ) विवेशों के संभरकों के साथ की गई संविदा की सक्या एवं दिनांक।
- (ट) विवेशों के संभरक का नाम और पता।
- (ठ) वे भुगतान शर्तें और संभावित नियिंग जिनकों संविदा के अंतर्गत भुगतान देय होंगे।
- (ड) मुद्रांशि को पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथि।
- (इ) बैंक भाफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक सेट की संख्या और उनका निपटान विष्टते हुए)।

(ए) पीतलदान भन्देश, बाह्यान्तरण/पार्ट-शिवमेंट की भन्दमति दी गई है या नहीं, मिर्किट कीजिए।

(न) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता।

(घ) क्या उसी लाइसेंस के अंतर्गत संविदा (संविदाएं) कर दी गई है और आपनी प्राधिकारियों को प्रधिसूचित कर दिया गया है। यदि हो जो ऐसी प्रत्येक संविदा की संख्या, दिनांक और मूल्य और वित्त मंत्रालय का वह संदर्भ जिसके अंतर्गत हो, ई.सी.एफ. को प्रधिसूचित किया गया है।

(द) क्या साक्षपत्र के मंत्रालय और रेवरब्लाव के लिए बैंक भाफ इंडिया, टोकियो को देय बैंक जब्ते आयातक द्वारा या संघटकों द्वारा यहन किए जाने हैं।

(घ) आयातक द्वारा वस्तवद्वाता :—

“हम एतद्वारा सरकार द्वारा निर्धारित तरीके से और दर से विवेशों संभरक को किए गए भुगतान के समतुल्य रूपये को पूरा और सही जमा करने का वजन देते हैं। प्रत्येक निवेश भास (आयातित सामग्री) की सुरुर्गी लेने से पूर्व तत्काल ही जमा करा दिया जाएगा। विवेशों संभरकों के संबंधित बीजक हमारे द्वारा भन्दमति होते ही और उनकी भगदायगी करते ही विवेशों राष्ट्रीयता की सेवाओं के लिए भुगतानों के मामले में निवेश कर दिए जाएंगे और संभरकों को भूगतान कर दिया जाएगा।”

उपाध्यक्ष-3²

(प्राधिकार पत्र का प्रपत्र)

सं.

भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
भार्यिंक कार्य विभाग
नई विल्ली, दिनांक

सेवा में

बैंक भाफ इंडिया
टोकियो शाखा,
टोकियो (जापान)

विषय: ये न क्रेडिट (परियोजना सहायता) अरुण करार सं. आई.डी.पी. ————— के अधीन प्रायात साक्षपत्र खोलने के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना।

प्रिय महोदय,

प्राप्ते के बैंक के साथ दिनांक ————— को किए गए समझौते को जाने के अनुसार आपको एतद्वारा यथा संलग्न ब्योरे के अनुसार भीमसं ————— के नाम में ————— ये न धनराशि के लिए अपरिवर्तनीय साक्षपत्र खोलने के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. प्राप्ते के बैंक द्वारा खोले गए प्रत्येक साक्षपत्र की प्रति आयातक के बैंक, औ.ई.सी.एफ. भारतीय बूतावास, टोकियो और हमें पृष्ठांकित की जाएं।

3. साक्षपत्र की सर्वी के अनुसार प्रारम्भ में संभरकों को भुगतान आपकी निधि से किया जाएगा। आप औ.ई.सी.एफ. को आवश्यक दस्तावेज भेजकर किए गए भुगतान की प्रतिपूर्ति का वादा तत्काल करें।

4. विवेशों संभरक को अशायी करते समय आपके द्वारा ————— (प्रायातक के बैंक के नाम व पता) मूल धोत लदान दस्तावेज (विविमय) अतिरिक्त पूर्ण दस्तावेजों के मैट के साथ तथा संभरक को

की यह अदायगी की दावे दावते की सूचना, गत्काल अदायगी, यदि कोई की गई हो, तो उसकी प्रति भेजें।

5. संभरक द्वी प्राप्तके द्वारा किए गए भुगतान की तिथि में भी ही भी एक द्वारा आपको उसकी प्रतिपूर्ति की तिथि तक के बीच के समय के लिए आपकी जुकाम जाने योग्य व्याज प्रभार भारत सरकार के लिए पर प्रभार द्वारे किया। सामान्य दैविक व्याज के साथम से भारत से संबंधित अदायगीक के बीच के साथ आपके द्वारा निर्णयित किया जाएँगे। बैंकों के मध्य बीचें जिसमें मालिपूल खोलने रखायाव रखने और सामान्यों के संचालन और सौदा मंचनां दस्तावेजों के बीचालन से संबंधित और यदि कोई ही तो विदेशी मंभरकों के बीच के बीचें भी विदेशी संभरक/अदायगीक को ही देंगे पहेंगे और इसलिए उन्हें भी भी संभरक/अदायगीक से प्राप्त किया जाए। इस प्रभार के भुगतानों की प्रतिपूर्ति का दावा भी ही भी एक से नहीं किया जाएगा।

6. जैसे ही प्राप्तके द्वारा कोई भुगतान किया जाए और उसकी प्रति प्रति आपको करनी जाए तो उसकी सूचना निर्धारित पत्र में इस संक्षालय की भी जी भी जानी चाहिए।

7. यह प्राप्तिकार पत्र विदेशी मंभरकों के नाम से सामान्य खोलने के लिए है। सामान्य में बाद में किए जाने वाले संशोधन या प्राप्तिकार पत्र के मध्य भवित्व में सामान्य का संक्षालय से विसेष प्राप्तिकार प्राप्त किया जितना बेक नहीं होगी।

8. यह प्राप्तिकार पत्र तक बैक चल जाए।

9. कुपया इस कागज से संबंधित सभी पत्रायाव और भुगतान का उल्लेख करने वाले सूचना पत्र में इस अनुरूप पत्र के शीर्षक पर ही गई भवित्वों का उल्लेख करें।

भवदीय,

(विदेशी प्रतिकारी)

प्रति निम्नलिखित दो प्रेषियः—

1. आयातक की उसके पत्र म. दिनांक के के मंदर्भ में।

उनसे अनुरोध है कि बैंकों से विनियम दस्तावेजों की दिल्लीवारी लेने से पूर्व निर्धारित दर पर और तरीके से अपने बैंकों के साम्यम से नपया निषेप अदि जमा करने का प्रबन्ध करें। यदि विशेष परिस्थितियों के कारण माल की डिलीवारी भीष्म ही भीमानुक और गत्तन प्राप्तिकारियों से भूल पोतायान दस्तावेज भेजे जितना ही प्राप्त कर ली गई हो तो उसे सामान्य से विनियम लेने से पूर्व ही निषेप किए जाने चाहिए। विदेशी गण्डीकों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही समझ बीजक भुगतान के लिए अन्त मानित हो जाए, निषेप कर दिए जाएं। निषेप जर्दी ही और टीक गेन करने पर साइमेंस की जर्नी में यथा उल्लिखित आवश्यक कर्तव्यावाही की जा सकती है।

आयातक का बैक:

(1) यह प्राप्तिकार लाइसेंस म. दिनांक के मंदर्भ में है। यह प्राप्तिकार पत्र येन केंटिट के अन्तर्गत आयातों का शामिल करने वाली संबंधित लाइसेंस जर्नी के तहत आर्जी किया जाता है। लाइसेंस गते और संबंधित सार्वजनिक सुचनाओं/प्रारंगों को देखे और प्राप्तिकार/विदेशी भुगतान करने समय उचित कार्रवाई करें।

(2) उनसे निवेदन किया जाता है कि बैक प्राप्त इडिया, टोकियो बीच से दस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरक को देने भुगतान के ब्रह्मवर्ष द्वारा जमा करने का व्यवस्था करें। संभरकों 7786 GI/91-2

की जुकाम गई भनतासि के ब्रह्मवर्ष-संभरकों की जमा सार्वजनिक स. 113-प्राईटीसी (पीएन)/88-91 दिनांक 6-4-89 मा भन्य देसी ही सार्वजनिक सूचना जो समय-ममत्य पर जारी ही जाए के अनुसार विवेशी संभरकों की भुगतान करने की तिथि की यथा प्रकाशित परिवर्तन की निरिवर्त दर पर की जाएगी। प्रथम 30 दिनों के लिए 12% वार्षिक दर से और इसमें प्रथम अवधि के लिए 10% वार्षिक दर से व्याज [जो कि संभरक की भगतान का तिथि/बैक प्राप्त इडिया को प्रतिपूर्ति की नारायां और जिस तारीख की समतुल्य रूपया भारत सरकार के लेखों में जमा किया जाए। उन दो अवधियों के बीच की प्रवधि के लिए संयोगित करके उसे भी सार्वजनिक सूचना में 31-प्राईटीसी (पीएन)/83, दिनांक 18-8-83 के अनुसार भारत सरकार के लेखों में जमा करना है। अब दोनों दिनों के लिए वेत ही अधिक वह तारीख जिसको विदेशी संभरक की भुगतान किया जाता है और वह तारीख जिसको भारत सरकार के लेखों में रूपया जमा करता जाए है। (जब भी इस दर में परिवर्तन किया जाए, तो उसे सूचित कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित कर देता चाहिए कि आयातक को भीमानुक निकामी के लिए आयात कमावेजों का मूल में दिया जाने से पूर्व यह अनगति जमा की जानी है।)

(3) वे भनतासि या जो भारतीय रिजर्व बैक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैक तीस हजारी में जालन के दिल्ली योग नं. 5130000009 दर्शात हुए जमा करनी चाहिए। इस संभरक में उनका व्यान सार्वजनिक सूचना स. 184-प्राईटीसी (पीएन)/68, दिनांक 30-8-68 तथा 233-प्राईटीसी (पीएन)/68, दिनांक 24-10-68, 132-प्राईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-1971, नं. 74-प्राईटीसी (पीएन)/74 तथा 103-प्राईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 12-10-1976 में दिए गए प्राप्तानों की प्रीर रिलाया जाना है। इस लेखा भीष्म में रूपया जमा करना है के डिपजिट्स एण्ड प्रेसेमिन्ज-844-3-सिविल डिपजिट्स—डिपजिट्स फार रपरेजिज एंसेट्रा अबरीड अफड रपरेजिज एफडर क्रेडिट/लोन प्रेसेट्स लौन फोम व गवर्नमेंट प्राप्त जापान 6.222 बिलियन येन क्रेडिट (परियोजना महायना) म. प्राईटीसी 72 कार 1990-91 है।

(4) जिन मामलों में तुल्य रूपया रिजर्व बैक प्राप्त इडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैक प्राप्त इडिया, तीस हजारी दिल्ली में सार्वजनिक सूचना स. 132-प्राईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-1971 के अनुसार लकड जमा किया जाए। उन मामलों में जालन की मूल रूप में एक प्रतिनिधि उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजनी चाहिए, जिनके भाष्य बैक प्राप्त इडिया, टोकियो शास्त्रा से प्राप्त सूचना टिप्पणियों का पूर्ण विवरण देने हुए एक प्रयोग तर होना चाहिए।

महायना लेखा तथा परियोजना नियंत्रण

विल संक्षालय (आधिक कार्य विभाग),

वी विग, इथा तथा जनपद भवन,

नई दिल्ली।

(5) जिन मामलों में तुल्य रूपया ऊपर सकेकिया सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-67 में यथा उल्लिखित दर्शनी हुए द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचनाएँ उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। मधी मामले में, अमा किए गए तुल्य रूपये का पूरा व्यवहार इस विभाग को भेजना चाहिए।

(6) संभरक की भुगतान करने की तिथि आर और ही सी एक द्वारा बैक प्राप्त इडिया, टोकियो को व्याज प्रभार बैक सुखों के सम्बद्ध से भारत सरकार के लेखों पर प्रभाव दाते दिना बैक प्राप्त

हैंडिया, टीकियों के साथ आपके द्वारा सीधे निर्धारित किए जाएंगे।

(7) संभरक को वीजने की सीधी प्रत्येक प्रदायनी, भूल प्रेसेंस और वह वाणिज्यिक शीजक, बैंक गार्डी, कार्य निष्पादन गार्डी, पोत-परिवर्तन इस्तादि के लेनदेने संबंधी सेट ही क्षमों न हों को उपयोग के (2) और (3) पर कार्यवाही न की जाएं तो साधारणक को उन्हें रिलीज़ न किया जाए।

(8) विदेशी सूद्रा के प्राधिकृत वितरक के रूप में बैंक के कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को सारलीय रिजर्व बैंक के विभिन्न ए.डी. परिषदों में निर्धारित किया गया है। इस संबंध में 18-6-77 के ए.डी. परिषद में, 22 के विशेष मंदर्भ की ओर ध्यान विसादा जाता है।

(9) इस पद की पारवती भेजी जाएँ और भावी प्रबालार में संदर्भ हालाविं को दर्शाया जाएँ।

3. निवेशक, अहम विभाग-2 विदेशी सहयोग निधि टाकेशासी गोडा विलिंग 4+1 ओहेटेमासी-1 कोमे, वियोडा कू., टीकियों 100, जापान।

4. भारतीय ट्रस्टावास, टीकियों।

5. अधिक भविष्य, जापान इन्डिया, वित्त मंत्रालय, आधिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

(वेश्वा अधिकारी)

उपायकार्य-4

प्रपत्र औ.ई.सी.एफ.एल.सी. 1

प्रपरिवर्तनीय सांख्यक

(भाल के लिए लागू)

विनांक

सेवा में

यह सांख्यक (अहणी) और विदेशी सहयोग निधि के बीच हुए अहम करार से दिनांक के अनुसरण में जारी किया गया है।

महोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे नाम में भेजे गए आपके पुरे शीजक मूल्य के लिए आपके साथ ड्रापटों द्वारा उपलब्ध रखने या रखने के लिए हमने आपके पद में प्रपरिवर्तनीय सांख्यक में शोल दिया है जो (अप्रैल, येन) की कुल धनराशि से अधिक नहीं, जिसके साथ निम्नलिखित वस्तावेज़ होते चाहिए:—

हस्ताक्षरित पूर्ण दायित्वक, बीजक पोत परिवहन निवन्ध लदान विल वित्तमें लिए गए शम्लावेजों का पूरा सेट हो, जोके पृष्ठांकित एवं चिन्हित (फ्रेट एवं नोटिकार्ड) अंकित किए हुए वस्तावेज़।

जिसमें पोलनदान (भाल के लदान का संक्षिप्त विवरण) को प्रमाणित करते हुए संविदां में (यदि कही हो) के संदर्भ में से तक आंशिक पोलनदान स्वीकृत है। जाह्नवीतण स्वीकृत है। ड्रापट विल तक लेनदेन के लिए अवश्य प्रत्युत किए जाते चाहिए। ड्रापट विल के अंतर्गत सभी ड्रापट तथा वस्तावेजों पर "प्रपरिवर्तनीय सांख्यक" में दिनांक

के अंतर्गत आहरण किया गया और आवात संदर्भ में (संध्याएं, यदि कोई हों) अंकित होना चाहिए।

यह केइट हस्तानगणीय नहीं है।

हम एतद्वारा बताने देते हैं कि इस केइट के अंतर्गत और इसको शर्तों के अनुसार में हमारे नाम में भेजे गए सभी ड्रापट प्रस्तुत करते पर और आवधितों को वस्तावेजों की सुपुर्दी पर विधिवत् स्वीकार किए जाएंगे।

जब तक अन्यथा एप में उल्लेख न किया जाए यह केइट यूनिफार्म कस्टम एण्ड प्रेसिटम फार डाक्यूमेंटरी क्रेडिट्स (1947 रिपोजिन) हण्टर-नेशनल ऐम्बर डाक कामसे, परिवेशन में, 290 के अधीन है।

लेन-देन करने वाले बैंक के लिए विशेष अनुदेश

1. उपर्युक्त अहम करार के अंतर्गत विदेशी आधिक सहयोग निधि द्वारा जारी किए गए बजनवदाता पद की व्यवस्थाओं के अनुसार विदेशी आधिक सहयोग निधि से अपने भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बावजूद हम बजत देते हैं कि हम लेन-देन करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदावों के अनुसार ड्रापटों की अनुराशि को लौटा दें।

2. लेन-देन करने वाले बैंक को यह बताने हुए हमें ड्रापट और वस्तावेजों का एक पूर्ण सेट और उसके साथ एक प्रमाण पत्र अवश्य भेजता चाहिए कि वो एक दस्तावेज़ सीधे ही हुआई डाक डारा को भेज दिए गए हैं।

3. इस केइट के अंतर्गत सभी बैंक के अर्चं आयामक/संभरक के सामे के से देय हैं।

भवदीय,

(.....)

वाणिज्यिक बैंक

द्वारा
प्राधिकृत हस्तानगणीय

उपायकार्य-5

प्रपत्र ओ ही सौ एफ र्स-2

प्रपरिवर्तनीय सांख्यक

(वेश्वाओं के लिए लागू)

सेवा में,

..... पह सांख्यक (अहणी और विदेशी)
.....

..... आधिक सहयोग निधि के बीच हुए
..... दिनांक (संभरक का नाम और पता) के अनुसरण में जारी किया गया है।

प्रिय महोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे नाम पर पूर्ण डल्लिश्ट मूल्य के लिए हितात्मिकारी के ड्रापट एट माइट द्वारा उपलब्ध रखम जिम्मी कुल धनराशि (येन से अधिक नहीं है) के लिए आवेदक के नाम में हमने प्रपरिवर्तनीय सांख्यक में खोल दिया है।

इसमें हमारे माथ संलग्न भुगतान अनुसूची के अनुसार अपेक्षित परियोजना के संबंध में टेका से से संबंधित वस्तावेज़ होने चाहिए। लेन-देन के लिए ड्रापट से पहले प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

सभी ड्रापट और वस्तावेजों पर "प्रपरिवर्तनीय केइट" में के अंतर्गत ड्रापट निश्चा होना चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तात्मणीय नहीं है।

हम एतद्वारा बचत देते हैं कि इस क्रेडिट के अंतर्गत इसकी शर्तों का अनुपायन करके सभी इफेट प्रस्तुत करने पर और आदेशिनों को दस्तावेजों की मुद्रितगी पर विवित स्वीकार किए जाएं।

जब तक अन्यथा स्पष्ट से विस्तारपूर्वक उल्लेख न किया जाए, यह क्रेडिट “यूनिकार्म कस्टम एंड प्रेविट्स फार डॉक्यूमेंटरी क्रेडिट्स (1974 रिवीजन) इन्टरनेशनल चार्चर एफ कामर ब्रोशर नं. 290 के अधीन है।

वेतन देने करने वाले बैंक की विशेष अनुदेश :—

1. इसमें संलग्न प्रबन्ध के अनुसार, (अर्थी और इसके मनोनीत प्रधिकारी) द्वारा जारी किये गए निष्पादन के मूल विवरण की प्रति के पश्चात् इस क्रेडिट के अंतर्गत भुगतान इसमें संलग्न शीट में निर्धारित भुगतान अनुसूची के अनुसार किये जाने चाहिए। प्रारम्भिक भुगतानों के मामले में उपर्युक्त निष्पादन के विवरण के अन्तर्गत हिताधिकारी का विवरण अपेक्षित है।
2. अपर उल्लिखित वृहण समझौते के अधीन जारी किए गए वचनबद्धता पद्धति के उपबन्धों के अनुसार विदेशी प्रार्थिक सहयोग निविल से भुगतान के लिए प्रतिपूति प्राप्त करने के बाद हम वेतनदेने करने वाले बैंक द्वारा आरा किए गए अनुदेशों के अनुसार ड्राफ्टों की राशि परेक्षण करने का वचन देते हैं।
3. उपर्युक्त मद 1 में यथा उल्लिखित दस्तावेजों की एक प्रति और इफेट उनकी प्राप्ति के सुरक्षा बाद ही हमें भेजे जाएंगे।
4. इस सांख्यक के अंतर्गत बैंक के यसी तर्जे प्रायातकों/संभरणों के बातों में देय है।

भवद्वय,

वाणिज्यिक बैंक

द्वारा
(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

भुगतान अनुसूची

यह भुगतान अनुसूची हमारे सांख्यक संख्या का एक अभिप्राय अंग है।

1. प्रारम्भिक भुगतान

धनराशि येन जो कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है।
अपेक्षित दस्तावेज़
प्रस्तुत करने का अंतिम नारीश :
हिताधिकारी का विवरण

2. भुगतान प्रगति

सम्पूर्ण वीणः धनराशि येन जो कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है।
जसका भुगतान निम्न प्रकार से किया जाता है :—

देय धनराशि

प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि

पहली किस्त, येन
दूसरी किस्त, येन

अपेक्षित दस्तावेज़ :

(अर्थ अपवा उसके मनोनीत प्रधिकारी)
द्वारा जारी किए गए निष्पादन का विवरण की एक प्रति विस्तार प्रपत्र भर्तव्य :—

निष्पादन का विवरण

दिनांक
संदर्भ

सेवा में

(संभरक का नाम और पता)

संदर्भ :—वृहण करार सं के अंतर्गत परियोजना से संबंधित के नाम के येन के लिए द्वारा जारी किए

मांचपद की सं दिनांक (अर्थी) का प्रतिनिधित्व करते हुए मैं योहस्ताक्षरी और के बीच संविदा मं
.....

दिनांक में निहित भुगतान की मात्राएं के अनुसार विदेशी प्रार्थिक सहायता निवाप द्वारा येन की धनराशि (..... येन भाल) प्राप्त करने के लिए को प्राप्तिहक्त करने के लिए निष्पादन विवरण जारी करता है।

.....
(अर्थी)

द्वारा
(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

विशेष अनुदेश :—

वास्तविक निष्पादन का विवरण इसमें संलग्न पद्धति में दर्शाया जाएगा।

भुगतान शर्तें

यह भुगतान शर्तें हमारे सांख्यक संविदा का एक अभिप्राय अंग है।

1. प्रारम्भिक भुगतान

धनराशि येन कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है।
अपेक्षित दस्तावेज़ :
अंतिम भुगतान तिथि :

2. मध्यस्थ भुगतान (यदि कोई हो)

धनराशि येन कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है।
अपेक्षित दस्तावेज़ :

प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :

3. पांच परिवहन दस्तावेजों के मध्ये भुगतान

धनराशि येन कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है।

टिप्पणी :—यह संलग्न शीट पांच परिवहन दस्तावेजों के मध्ये पूर्ण भुगतान के मामले में आवश्यक नहीं है।

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE NO. 231 ITC(PN)90—93

New Delhi, the 21st October, 1991

Subject:—Licensing conditions in respect of import of equipment and services under the Yen Credit Loan No. 1D-P 72 dated 23-1-91 for Yen 6.222 Billion for the Teesta Canal Hydro Electric Project (II) of WBSEB extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan-regarding.

File No. IPC/23(82)90—93.—The terms and conditions governing import of equipment and services under The Yen Credit Loan No. 1D-P.72 dated 23-1-91 for Yen 6.222 Billion for the Teesta Canal Hydro Electric Project (II) of WBSEB extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan are contained in the Appendix to this Public Notice and are notified for information.

D. R. MEHTA, Chief Controller of Imports & Exports

Appendix to the Ministry of Commerce Public Notice No. 231 ITC(PN)90—93, dated 21-10-91

LICENSING CONDITIONS IN RESPECT OF IMPORT OF EQUIPMENT AND SERVICES UNDER THE YEN CREDIT LOAN NO. 1D-P. 72 DATED 23-1-91 FOR YEN 6.222 BILLION FOR THE TEESTA CANAL HYDRO ELECTRIC PROJECT (II) OF WBSEB EXTENDED BY THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND (OECF) OF JAPAN

SECTION I—General Conditions

1. (i) The Yen Credit of Yen 6.222 billion extended by the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements of the TEESTA CANAL HYDRO ELECTRIC PROJECT (II) OF WBSEB untied in favour of Japan, developing countries (including India) and all member countries of OECD. Accordingly the goods and services to be procured under this credit can be procured from Japan and all countries (including India) enumerated in the list at Annexure-I which will be eligible source countries under the credit.

1. (ii) Import Licence(s) under the Credit can be issued only for such items and for such value as have been specifically cleared by the DGTD/C Committee. The value of import licence(s) issued under this credit should not exceed Yen 7.550 billion (CIF).

The rupee value of the import licence shall be determined with reference to the Exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) and prevailing on the date of issue of the import licence and indicated in the body of the import licence(s) as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN)74 dated the 6th June, 1974, issued by the CCI&E, which also enjoins that the Customs Authorities and the authorised dealers in foreign exchange will make debits to the value of the licence(s) at the

exchange rate specified on the import licence(s). The licence will bear the superscription "Japanese Yen Credit No. 1D-P. 72". The first and second suffix to the licence code will be "S|JC". This will also be repeated in the letter from CCI&E forwarding the import licence to WBSEB a copy of which should be endorsed to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (Japan Section).

1. (iii) Import licence(s) can be issued only in favour of WBSEB.

1. (iv) Depending on the convenience of importer more than one import licence may be issued under this credit, but the total value must not exceed Yen 7.550 billion (CIF) as specified at (ii) above.

1. (v) The extension of the validity of the import licence, may on application by importer, be granted upto a further period of 12 months. Any request for further extension/issue of a fresh import licence may be referred to the Dep't. of E.A. (Japan Section).

1. (vi) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licence, duly attested by the licensing authorities.

1. (vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agent's commission should be made in Indian Rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

1. (viii) Firm order must be placed on FOB/C&F basis on the Overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Insurance charges will be payable in India in Indian Rupees. "Firm orders" means purchase orders placed by the Indian Licensee on the Overseas supplier duly signed by the latter or purchase contract duly signed by both the Indian Importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of overseas suppliers and/or order confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

1. (ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract documents reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I (viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licensee should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If, however, extension is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence such proposals will invariably be referred by the Licensing authorities to the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, North

Block, New Delhi who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communication to the licensee. Only on production by the licensee of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will be authorised dealers and departmental authorities permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of credit, acceptance of deposits of the rupee equivalent, etc. in respect of supply contracts entered into under the import licence.

I. (x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the Overseas supplier. The contract should provide for the period of delivery of goods as follows :

“.....Months after the receipt of Letter of Credit but to be completed latest by the end of.....”

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 30-6-95.

SECTION II--Special points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II. (i) The FOB/C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any, which should be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II. (ii) Procurement of all goods and services to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance with the guidelines for procurement under the loan with the following supplemental stipulations :—

- (a) In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 500 million Yen.
 - (i) Prior approval of OECF shall be obtained if it is proposed to adopt procurement procedure other than the Open International Tendering with Prequalification, submitting to OECF an application for approval of procurement method.
 - (ii) Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation report shall be submitted to OECF for review concurrence. Alongwith the above application for approval of award and bid evaluation, the documents etc. will also be submitted to OECF for its reference.

- (b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than Yen 500 million prior approval of OECF is not required for award of contract. However, if OECF requests, the tender evaluation reports etc. will be submitted to OECF for its review.
- (c) When consulting firms are employed, such firms shall satisfy all of the following conditions.
 - (i) A majority of the subscribed shares shall be held by nationals of the Eligible Source Countries.
 - (ii) A majority of the full-time directors shall be nationals of the Eligible Source Countries.
 - (iii) Such firms shall be incorporated and registered in the Eligible Source Countries.
- (d) Prior approval of OECF shall also be obtained of the following documents for employment of the consultants :—
 - (i) Terms of Reference.
 - (ii) Short List of Consultants.
 - (iii) Letter of Invitation.
 - (iv) Evaluation Report including summary Evaluation Sheet.
- (e) The following declaration as to the eligibility of the Consultant, signed and dated by the Consultant, shall be attached to each contract :

“I, the undersigned, hereby certify that, _____ (name of firm) has been incorporated and registered in _____ (name of the Eligible Source Country concerned), and is an eligible consulting firm, _____ per cent (%) of the subscribed shares being held by national of _____ (name of the Eligible Source Countries concerned) and _____ per cent (%) of the full time directors being nationals of _____ (name of the Eligible Source Countries concerned)”.
- (f) The application/documents mentioned in (a) (i), (a) (ii), (b) and (d) above will be submitted by the importer to Deptt. of E.A., in duplicate, for submission to OECF.
- II(iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No. ID-P. 72 for 1990-91 the details of which are given in Section VII below.
- II(iv) Only one contract should be entered into against the import licence. In exceptional cases, more than one contract may be permitted to be entered into, for which prior approval of the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry

of Finance, should be obtained soon after the date of issue of the import licence.

II(v) Eligibility of Supplier

The Suppliers shall be nationals of the eligible Source countries, or juridical persons incorporated and registered in eligible source countries and which have their appropriate facilities for producing or providing the goods and services in the Eligible Source Countries and actually conduct their business there.

II(vi) Permissible imports from non-eligible source countries

Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than fifty percent (50%) of the price per unit of such products in accordance with the following formula :

$$\frac{\text{IMPORTED CIF PRICE} + \text{Import Duty} \times 100}{\text{Supplier's FOB Price}}$$

(in case of Indian Supplier, Ex-factory Price shall be adopted)

II(vii) Declaration in Contract

The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier, signed and dated by the supplier, shall be added to each contract.

"I, the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in—
(name of eligible source country).

I, the undersigned, further certify that to the best of my information and belief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than fifty percent (50%) in accordance with the following formula :

$$\frac{\text{IMPORTED CIF Price} + \text{Import Duty} \times 100}{\text{Supplier's FOB Price}}$$

(Where applicable Ex-factory Price)

"I, the undersigned, hereby certify that—
(Name of company) has been incorporated and registered in—
(name of eligible source country), has its appropriate facilities for producing or providing the goods and services in (name of Eligible) Source Country and actually conducts its business there.

SECTION III—Conditions to be incorporated in the supply Contracts

III(i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract:

- The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated the 23rd January, 1991 concerning the Yen Credit No. ID-P. 72 (Project Aid) for the TEESTA CANAL HYDROELECTRIC PROJECT (II) OF WBSEB.

- Payments to the Supplier shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under the Loan Agreement No. ID-P. 72 dated 23-1-1991 between the Government of India and the Overseas Economic Corporation Fund of Japan (OECF).
- The suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen Credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.
- Certificates (triplicate) in the forms indicated in II(vii) above.
- In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese Supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo, informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India at least six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian Importers require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

SECTION IV—Review of Contract by OECF

IV(i) Within stipulated period for placement of firm orders the licensee should forward 4 copies of the contract duly signed by both the importer and the supplier supported by order confirmation in writing by the supplier or their photocopies complete in all respects, together with two Photocopies of the relevant and valid import licence and two copies of the "Request for issue of L.A." in the form in Annexure II to the Department of Economic Affairs.

IV(ii) The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV(iii) The Ministry of Finance (Dept. of EA) will send Notice of conclusion of Contract along with a copy of the contract to OECF for its review. A copy each of the Notice of Conclusion of Contract accompanied by the contract will also be sent by Department of EA to Embassy of India, Tokyo and Office of CAA&A alongwith one copy each of "Request for issue of L.A." and photocopy of import licence.

SECTION V—Payment to the Overseas suppliers— Letter of Credit Procedure.

V(i) On receipt of the Notice of Conclusion of contract and contract document from the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, the CAA&A will issue a letter of authorisation as in the form

attached as Annexure-III addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable Letter of Credit as in the form attached at Annexure-IV (for imports) or Annexure-V (for Services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to the OECF, the Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India, and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V. (ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of Credit as per Annexure-IV (applicable to import's) or V (applicable to services) in favour of the Overseas suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the importer's bank in India and the CAA&A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA&A would ipso facto apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V (iii) The overseas supplier shall, after affecting shipment of goods, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo which will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

V (iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations there under and charges if any of overseas suppliers bankers are to be borne by the importer/overseas suppliers. A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt an amount equal to one-tenth percent (0.1%) of the contract value. This amount will be paid to itself from the loan funds by OECF.

The importer is required to deposit into the Govt. of India account the rupee equivalent of this letter of commitment charges on receipt of intimation of the payment from OECF or from the Controller of Aid Accounts, Ministry of Finance. Interest from the date of payment of OECF to the date of rupee deposit (both dates inclusive) at prevailing rates will also have to be paid by the importer.

A similar charge of 0.1% is payable by the importer under the reimbursement procedure also. Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them to the overseas suppliers to the date of reimbursement by the OECF, shall be settled by the concerned importers bank of India by remittance to the Bank of India Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

V (v) Reimbursement Procedure

Procedure for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian Suppliers shall be in accordance with REIMBURSEMENT PROCEDURE attached to the loan agreement.

SECTION VI—Responsibility for rupee deposit

VI (i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of importer as indicated in the Appendix to the relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at RBI, New Delhi or S.B.I. Tis Hazari Delhi before releasing the shipping documents. Interest charges on the rupee-equivalents of the Yen payments calculated at the rate prevailing from time to time, the present rate being 12% per annum for the first 30 days and @18% per annum for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Overseas Supplier to the date of actual rupee deposit, have also to be deposited alongwith the principal payment, in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN) 83 dated 10-8-83. It should be noted that interest is chargeable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Supplier and also the day on which rupee deposit is made in Government Account vide Public Notice No. 74-ITC(PN) 74 dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN) 76 dated 12-10-76 and Public Notice No. 31-ITC(PN) 83 dated 10-8-83.

The importer should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping etc. documents by the importers Banker from Bank of India, Tokyo will not be acceptable as reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposit.

The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notice No. 113-ITC(PN) 88-91 dated 6-4-89 or as may be notified by Government from time to time through public Notice of the CCI&E or through Exchange Central Circulars of the Reserve Bank of India.

Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amount due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importers should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Banker. It is the responsibility of the importer to ensure that the amount due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importers fail to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further IAS to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account

to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances-8443—Civil Deposits—Deposits for purchase etc. abroad—Purchase under credits/Loan Agreements". Loans from the Government of Japan 6,222 billion Yen credit No. ID-P.72 for the Teesta Canal Hydroelectric Project (II).

VI (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices issued from time to time in this regard.

VI (iii) The concerned Bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs). While filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury challans, :—

- (a) Ministry of Finance letter of authority No. and date.
- (b) Amount of Yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note :—Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisits "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

SECTION VIII—Miscellaneous Provisions

VIII (i) Reports on utilisation of the import licence :

The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, B-Wing, 5th Floor, Janpath Bhavan, New Delhi.

VIII (ii) Notifying Suppliers of Special Condition :

The licences should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may effect the suppliers in carrying out the transaction.

VIII (iii) Disputes :

It should be understood that the Government of India, will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-II under "Terms of Payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

VIII (iv) Future Instructions

The licensee shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) No. ID-P.72 with the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OEFC).

VIII (v) Breach or violation

Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

VIII (vi) List of Annexures :

Annexure—I List of eligible source countries.

Annexure—II Request for issue of Letter of Authority.

Annexure—III Form of Letter of Authority.

Annexure—IV Form of Letter of Credit (Applicable to imports).

Annexure—V Form of Letter of Credit (Applicable to Services).

ANNEXURE I

LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

A. Developing Countries and Territories

(a) Non-OPEC Developing Countries

I. AFRICA, North of Sahara

Egypt

Morocco

Tunisia

II. AFRICA, South of Sahara

Angola

Benin

Botswana

Burundi

Cameroon

Cape Verde Islands

Central African Rep.

Chad

Comoro Islands

Congo, People's Republic of

Dahomay
 Equatorial Guinea (1)
 Ethiopia
 Gambia
 Ghana
 Guinea
 Ivory Coast
 Kenya
 Lesotho
 Liberia
 Malagasy Republic
 Malawi
 Mali
 Mauritania, Mauritius
 Mozambique
 Niger
 Portuguese Guinea
 Reunion
 Rhodesia
 Rwanda
 St. Helena and CCP (2)
 Sao Tome and Principle
 Senegal
 Seychelles
 Sierra Leone
 Somalia
 Sudan
 Swaziland
 Terro, Afars and
 Issas
 Togo
 Uganda
 Un. Rep. of Tanzania
 Upper Volta
 Zaire Republic
 Zambia

III. AMERICA, North and
 Cont.
 Bahamas
 Barbados
 Belize
 Bermuda
 Costa Rica
 Cuba
 Dominican Republic
 El Salvador
 Guadeloupe
 Guatemala
 Haiti

- (1) Formerly the territory of Spanish Guinea, including the islands of Fernando PO.
- (2) Including the following islands : Ascension, Tristan da Inaccessibles, Nightingale, Gough
- (3) Main islands, Aruba, Bonaire, Curacao, Saba, St.

Honduras
 Jamaica
 Martinique
 Mexico
 Netherlands Antilles
 Nicaragua
 Panama
 St. Pierre & Miquelon
 Trinidad and Tobago

III. AMERICA, North & Central
 West Indies (Br.) n.i.e.
 (a) Associated States (1)
 (b) Dependencies (2)

IV. AMERICA, South
 Argentina
 Bolivia
 Brazil
 Chile
 Colombia
 Falkland Islands
 French Guiana
 Guyana
 Paraguay
 Peru
 Surinam
 Uruguay

V. ASIA, Middle East
 Bahrain
 Israel
 Jordan
 Lebanon
 Oman
 Syrian Arab Republic
 United Arab Emirates (3)
 Yemen Arab Republic
 Yemen, People's D.R. (4)

VI. ASIA, South
 Afghanistan
 Bangladesh
 Bhutan
 Burma
 India
 Maldives
 Nepal
 Pakistan
 Sri Lanka

1. Main Island : Antigua, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Caristophe), Nevis-Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.
2. Main Islands :Montserrat, Cayman, Turks and Caicos and British Virgin Islands.
3. Ajman, Dubai, Fugajtah, Ras al Khaimah, Sharjah and Umm al Quaiwain.

VII. ASIA, Far East

Brunei
Hong Kong
Khmer Republic
Korea, Republic of
Laos
Macao
Malaysia
Phillippines
Singapore
Taiwan
Thailand
Timor
Viet-Nam, Rep. of
Viet-Nam, Dem. Rep.

VIII. OCEANIA

Cook Islands
Fiji
Gilbert & Ellice Is.
French Polynesia (5)
Nauru
New Calendonia
New Hebrides (Br. and Fr.)
Niue
Pacific Islands (US) (6)
Papua New Guinea
Solomon Islands (Br.)
Tonga
Wallis and Futuna
Western Samoa

IX. EUROPE

Cyprus
Gibraltar
Greece
Malta
Spain
Turkey
Yugoslavia

(a2) Member of Association Countries of OPEC

Algeria
Bolivia
Libyan Arab Republic
Gabon
Nigeria
Ecuador
Venezuela
Iran

4. Including Aden and various sultanates and emirates.
5. Comprising the Society Islands (including Tahiti) The Austral Islands, the Tuamotu-Gambier Group and the Marquesas Island.
6. Trust Territory of the Pacific Islands: Caroline Islands, Marshall Islands, and Marine Islands (except Guam).

Iraq
Kuwait
Qatar
Saudi Arabia
Abu Dhabi
Indonesia

B. OECD Countries

Australia
Belgium
Canada
Denmark
Finland
France
The Federal Republic of Germany
Greece
Iceland
Ireland
Italy
Japan
Luxembourg
the Netherlands
New Zealand
Norway
Portugal
Spain
Sweden
Switzerland
Turkey
U.K.
U.S.A.

ANNEXURE II

REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF AUTHORITY

No.

Date.

To,

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street,
New Delhi-110001.

Subject : Import of _____ from Japan under
the Yen Credit No. ID-P (Project Aid for
19____).

Sir,

In connection with the import of _____ from
under the above mentioned Yen Credit No. ID-P
(Project Aid) we furnish the following particulars to
enable you to issue the Letter of Authority to the
(name of the Bank) which should
be the same as given in (b) below for opening a
letter of credit in favour of the overseas supplier concerned.

(a) Name and Address of the Indian importer.

- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement—whether it is based on direct purchase or formal Open International tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Percentage of the import components from non-eligible source countries, if any.
- (g) Gross FOB/C&F value of the contract (in Yen).
- (h) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any.
- (i) Net FOB/C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.
- (j) Number and date of the contract with overseas suppliers.
- (k) Name and address and nationality of the Overseas Supplier.
- (l) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (m) Expected date of completion of deliveries.
- (n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (o) Shipment instructions (indicate of trans-shipment/part-shipment permitted or not permitted).
- (p) Name and address of the importer's bank in India.
- (q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No. date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.
- (r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Letter of Credit are to be borne by the importers or Supplier.
- (s) Undertaking by the importer :—

"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc. of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are

approved by us and the payments made to the suppliers."

ANNEXURE III

(Letter of Authority Form)
No. F.
Government of India
MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)
New Delhi, the

To,

The Bank of India,
Tokyo Branch,
Tokyo (Japan).

Subject : Import under Yen Credit (Project Aid)
Loan Agreement No. ILI-P. Issue of
Letter of Authority for opening Letter of
Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated entered into with your Bank, you are hereby authorised to open irrevocable letter of credit for an amount not exceeding Yen favouring M/s. as per attached details.

2. A copy each of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, to the OECF, Embassy of India, Tokyo and to us.

3. Payments to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediately reimbursements of the amount paid by furnishing necessary documents to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should send to (Name & address of importer's Banker) the original shipping documents (negotiable) as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Interest charges payable to you, for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF, shall be settled by you with the concerned importers bank in India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening maintenance and for the operation of the Letter of Credit as also those connected with handling negotiating documents and charges of overseas suppliers bankers if any, are to be borne by the Overseas Supplier/Importer and may, therefore, be recovered from the Supplier/Importer directly. No reimbursement of such charges is to be claimed from the OECF.

6. As and when any payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This Letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This Letter of Authority will remain valid upto

9. Please quote the number given at the top of this letter of instruction in all correspondence relating to the contract and also in the advices showing payment.

Yours faithfully,
(Accounts Officer)

Copy forwarded to :—

1 Importer with reference to their letter No. dated

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing conditions.

2. Importer Banker

(i) This has reference to import licence No. dated

This letter of authorisation issued under the relevant Licensing conditions governing the imports under Yen credit. The Licensing conditions and connected Public Notice/Order etc, may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

(ii) They are requested to arrange the deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the Overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Overseas suppliers in accordance with the Public Notices No. 113-ITC(PN)88-91 dated 6-4-1989 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @ 12 per cent per annum for the first 20 days and at the rate of 18 per cent per annum for the period in excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier/date of reimbursement to Bank of India and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Govt. account is also required to be deposited into

Govt. of India account in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)83 dated 10-8-1983. The interest is payable for both days i.e. the day on which payment is made to the Overseas supplier and also the date on which rupee deposit is made into Govt. account (Any change in this rate will be intimated if and when made). It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs Clearance.

(iii) These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 184-ITC(PN)68 dated 30-8-68, 233-ITC(PN)68 dated 24-10-1968, 132-ITC(PN)71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)74 dated 31-5-74 and No. 103-ITC(PN)76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances—844—Civil Deposits—Deposit for purchases etc abroad under Purchases under Credit Loan Agreements—Loans from the Government of Japan 6,222 billion Yen Credit (project aid) No. ID-P. 72 for 1990-91.

(iv) One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), B-Wing, 5th Floor, Janpath Bhavan, Janpath, New Delhi.

(v) In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

(vi) Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OECF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

(vii) For each payment date to the supplier, the original documents (whether commercial invoice, bank guarantees, performance guarantees, negotiable sets of shipping documents etc.) should not be released to the importer till action as at (ii) and (iii) above has been taken.

(viii) The Bank's duties and responsibilities as authorised dealer in Foreign Exchange are prescribed in various A.D. circulars of the Reserve Bank of India. Specific reference in this regard is invited to A.D. Circular No. 22 dated 18-6-1977.

(ix) The receipt of this communication may be acknowledged and reference etc. for future correspondence may be indicated.

3. The Director Loan Department-II, Overseas Economic Cooperation Fund, Takebashi Gode Building, 4-1, Ohtemachi 1-Chome, Chiyoda-Ku, Tokyo 100, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

(Accounts Officer)

ANNEXURE IV

FORM OECE—I.C 1

IRREVOCABLE LETTER OF CREDIT
(Applicable for goods)

To,

Date :

This letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No.

Dated _____
between (Borrower) and THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of for a sum of sums not exceeding an aggregate amount of Yen (Say _____ yen) available by

your drafts at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied by the following documents :

Signed commercial invoice in full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify" other documents.

evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped referring to Contract No _____)

(if any) from _____ to _____

Partial shipments are permitted. Transhipment is permitted. Bills of lading must be dated not later than _____. Drafts must be presented for negotiation not later than _____.

All Draft and documents under this credit must be marked "Drawn under _____" irrevocable credit

No. _____ dated _____ and _____

Import Reference No.(s) _____

(if any).

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentations and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special Instruction to the negotiating bank :

1. After obtaining the reimbursement for our payments from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued there by under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.
2. The negotiating bank must forward the drafts and one complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been airmailed direct to _____
3. All banking charges under this credit are for the account of importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)
By _____ Authorised Signature

ANNEXURE V

FORM OECE—I.C II

IRREVOCABLE LETTER OF CREDIT
(Applicable for Services)

To,

(Name and address of the Supplier)

Date :
This letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No.
Dated _____
between (Borrower) and THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our Irrevocable credit No. _____ in your favour for account of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of Yen (Say Yen _____)

available by beneficiary's drafts at sight for full statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents, in accordance with the Payment Schedule attached hereto, concerning (Contract No.

with regard to Project). Drafts must be presented for negotiation not later than

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No."

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of document to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special instructions to the negotiating bank :

1. After receipt of the original Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached hereto, payment(s) under this credit must be made in accordance with the Payment Schedule Stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments the beneficiary's Statement is required instead of the above mentioned Statement of Performance.
2. After obtaining the reimbursement for our payment from the OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.
3. A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.
4. All banking charges under this credit are for the account of the importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By : Authorised Signature

PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitutes an integral part of our Letter of Credit No.

I. Initial Payments

Amount: yen _____
being _____ % of the total contract price

Required documents : beneficiary's Statement at Latest presentation date:

II. Progress/Payment

Aggregate amount: yen _____

being _____ % of the total contract price to be paid as follows:
Amount due _____ Latest presentation

1st Instalment:

yen _____

2nd Instalment:

yen _____

Required documents: A copy of Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) a form of which is attached hereto.

STATEMENT OF PERFORMANCE

Date:

Ref. No.

To _____

(Name and Address of the Supplier)

Re: Letter of Credit No. _____ dated _____

issued by _____

for yen _____ in favour of _____

concerning _____

Project under Loan Agreement No. _____

I, the undersigned, representing (Borrower), hereby issue Statement of Performance to entitle _____ to receive the sum of yen _____ (Yen _____ only) from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the Payment Terms stipulated in the Contract No. _____

dated _____
between _____ and _____

(Borrower)

By _____

(Authorised Signature)

Special Instructions:

The details of the actual performance shall be stated in the sheet attached hereto.

PAYMENT TERMS

This payment terms constitutes an integral part of our letter of Credit No. _____

I. Initial Payment

Amount: yen _____
being _____ % of the total contract price.

Required documents:

Latest presentation date:

II. Intermediate Payment (if any)

Amount : yen _____
being _____ % of the total contract price.

Required documents:

Latest presentation date:

III. Payment against Shipping Documents

Amount : yen _____
being _____ % of the total contract price

Note: This attached sheet is not required in case of full payment against shipping documents.